फर्जी उपस्थिति दर्शाने वाले छात्रों के साथ संस्थानों पर भी कसेगा शिकंजा

संस्थानों में पूर्व में फर्जी ऑनलाइन उपस्थिति दर्शाने के पकड़े जा चुके हैं मामले

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। तकनीकी संस्थानों में प्रवेश लेने के बाद नौकरी अथवा अपने निजी कार्यों को संपादित करने के साथ फर्जी उपस्थिति दर्शाने वाले छात्रों पर शिकंजा कसा जाएगा। यही नहीं प्रवेश देने वाले संस्थानों पर भी कार्रवाई होगी।

इसके लिए उत्तराखंड तकनीकी विवि की ओर से सभी संबद्ध शिक्षण संस्थानों को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि सभी संस्थान अपने यहां अध्ययनरत छात्रों को भी इस आदेश से अवगत कराएं।

बता दें कि पिछले दिनों यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने हरिद्वार जिले के निजी तकनीकी संस्थानों का औचक निरीक्षण किया था। कई संस्थानों में कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति न के बराबर मिली। यही नहीं उपस्थिति रजिस्टर में अनियमितता पाई गई।

यह भी पाया गया कि कई संस्थानों की ओर से फर्जी तरीके से यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम (यूएमएस) पर छात्रों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। अब विवि ने इस तरह की गतिविधियों को गंभीरता से लिया है। कुलपति के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल की ओर से विवि से संबद्ध सभी संस्थानों के निदेशक एवं प्राचार्यों को पत्र भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि अधिकतर संस्थानों में अध्ययन छात्रों की उपस्थिति बेहद न्यून रहती है।

आशंका : संस्थान पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में कहीं और काम कर रहे छात्रों को दे रहे प्रवेश

खास खबर

इससे यह प्रतीत होता है कि इन छात्रों की ओर से विवि के पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों को या तो गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है या फिर ऐसे छात्र पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के बाद कक्षाओं में अनुपस्थित रहते हुए कहीं अन्यत्र पूर्णकालिक कार्य कर रहे हैं। जो अनियमितता के श्रेणी में आता है।

ऐसी स्थिति में साफ है कि इन छात्रों की यूएमएस पर दर्ज की जा रही उपस्थिति में भी अनियमितता की जा रही है। जांच में अनियमितता पाए जाने पर छात्र और संस्थान के खिलाफ विवि के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पत्र में संस्थानों को इस आदेश से सभी छात्रों को अवगत कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।

परीक्षा के दौरान संस्थानों को मुख्य गेट खोलकर रखने के निर्देश

विवि से संबद्ध तकनीकी संस्थानों में इन दिनों विभिन्न पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं। कई संस्थानों की ओर से परीक्षा के दौरान नकल कराने के उद्देश्य से मुख्य द्वार को बंद रखा जाता है, ताकि विवि से औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंचने वाली टीम को भीतर पहुंचने में देरी हो सके। इसे लेकर विवि प्रशासन ने दिशा निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि विवि परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार को खुला रखा जाए। ताकि विवि की ओर से तैनात किए गए उड़न दस्ता टीम, औचक निरीक्षक पर्यवेक्षक अथवा विवि अधिकारी के परीक्षा केंद्र के भ्रमण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही कहा है कि परीक्षा के दौरान दैनिक आधार पर उपयोग में आने वाली उत्तर पुस्तिकाओं, अनुपयुक्त उत्तरपुस्तिकाओं एवं स्टॉक में उपलब्ध उत्तर पुस्तिकाओं का संपूर्ण विवरण पालीवार तैयार रखें। टीम के मांगे जाने पर समस्त विवरण उपलब्ध कराया जाए।